

नेक बनने का नुस्खा

गुरों बहते के लिए

पन्द्रहवीं सदी की अंजीम इल्मी व रुहानी शास्त्रियत

शैख़े तरीक़त, अमीरे एहले सुन्नत, बानिए दावते इस्लामी
हज़रते अल्लामा
मौलाना अबू बिलाल

مُحَمَّدِ الْبَلْيَاضِ الْجَلَلِيِّ الْجَوَادِيِّ

وَالْمُنْتَهِيُّ بِهِ كُلُّ ثُمَّةٍ
الْعَالِيَّهُ

ने इस पुर फ़ितन दौर में नेकियां करने और गुनाहों से बचने के
तरीकों पर मुश्तमिल शरीअत व तरीकत का जामेअ मजमूआ

27 मदनी इब्न अभ्यामात

ब सूरते सवालात अता फ़रमाए हैं। इन के मुताबिक आसानी
से अमल करने का तरीकए कार आखिर में दिया गया है।
मजीद मालूमात के लिए मक्तबतुल मदीना की किसी भी
शाख़ से किताब "जनत के तलब गारों के लिए मदनी गुलदस्ता"
तलब फ़रमा सकते हैं।

मर्कज़ी मजलीसे शूरा (दावते इस्लामी)

मदनी वज़ाहतें

मदनी इन्हामात की वज़ाहतों और रिआयतों से मुतअल्लिक सवालात के जवाबात के लिए तन्जीमी तौर पर चार क़ाइदे मुकर्रर किए गए हैं।

क़ाइदा नम्बर 1 बाज़ मदनी इन्हामात चन्द “जुज्ज्यात” पर मुश्तमिल हैं।

मसलन : तहज्जुद, इशराक, चाश्त, अब्वाबीन वाला मदनी इन्हाम, इस मदनी इन्हाम में 4 जुज़ हैं, लेहाज़ा ऐसे मदनी इन्हामात पर अक्सर पर अमल होने की सूरत में तन्जीमी तौर पर अमल मान लिया जाएगा।

(अक्सर से मुराद आधे से ज्यादा मसलन 100 में से 51 अक्सर केहलाएगा)

क़ाइदा नम्बर 2 बाज़ मदनी इन्हामात ऐसे हैं जिन पर किसी दिन अमल न होने की सूरत में तन्जीमी तौर पर दूसरे दिन अमल की तरगीब है।

मसलन : कन्जुल ईमान शरीफ से कम अज़ कम एक रुकूअ़ की ज़ियारत (मअ़ तर्जमा ओ तफ़सीर) करने से मेहरूमी रही। इस सूरत में जितने दिन नाग़ा हुवा, बाद वाले दिनों में रेह जाने वाले दिनों का हिसाब लगा कर उतनी ही मरतबा अमल करने पर तन्जीमी तौर पर अमल मान लिया जाएगा।

काइदा नम्बर ३ बाज़ मदनी इन्हामात ऐसे हैं जिन पर अमल की आदत बनाने में वक्त लगता है।

मसलन : केहकहा, तू तुकार से बचने और निगाहें झुका कर चलने की आदत बनाने वाले इन्हामात, ऐसे मदनी इन्हामात पर ज़मानए कोशिश के दौरान अमल मान लिया जाएगा।

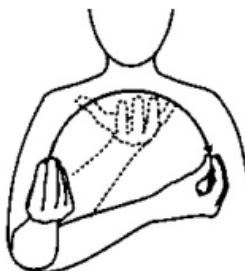
(कोशिश के ज़माने में कम अज़ कम दिन में ३ मरतबा अमल ज़रूरी है)

काइदा नम्बर ४ बाज़ मदनी इन्हामात ऐसे हैं जिन पर सहीह उज्ज़ (यानी हकीकी मजबूरी) की बिना पर अमल की कोई सूरत न हो या इस दौरान दूसरे मदनी काम में मश्गूलिय्यत है।

मसलन : ज़िम्मेदार वगैरा दीगर मदनी कामों में मसरूफिय्यत के बाइस किसी मदनी इन्हाम मसलन : मद्रसतुल मदीना बालिगान में शरीक न हो सके या बालिदैन की वफ़ात या उन की दूसरे शहर रेहाइश की सूरत में दस्त बोसी और अनपढ़ होने के बाइस लिख कर बात करने से मेहरूमी है तो भी तन्ज़ीमी तँैर पर इन पर अमल मान लिया जाएगा।

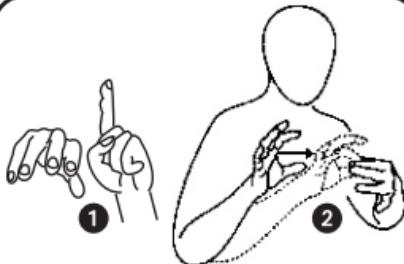
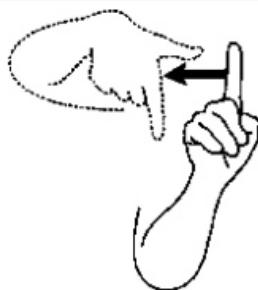
यौमिया 17

मदनी इनआमात



यौमिया

17



मदनी



इनआमात

पेहला दरजा 6 मदनी इन्हामात

(1) क्या आज आप ने कुछ न कुछ जाइज़ कामों से पेहले अच्छी अच्छी निय्यतें कीं? नीज़ कम अज़ कम दो को इस की तरगीब दिलाई?



क्या



जाइज़



काम



पेहले



अच्छी



निय्यत



और



कम अज़ कम



दो



इस्लामी भाई



तरगीब



दिलाई

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(2) क्या आज आप ने पांचों नमाजें मस्जिद की पेहली सफ़े में तकबीरे ऊला के साथ बा जमाअत अदा फरमाई नीज़ हर बार कम अज़्य कम एक को अपने साथ मस्जिद में ले जाने की कोशिश की?

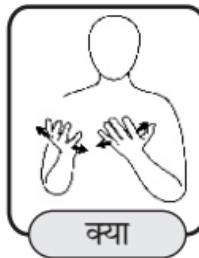


1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

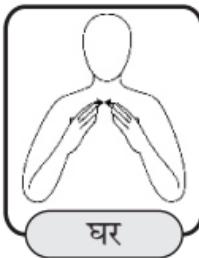
27 मदनी इन्हामात

5

(3) क्या आज आप ने घर, दफ्तर, बस, ट्रेन वगैरा में आते जाते और गलियों में से गुज़रते हुवे राह में खड़े या बैठे हुवे मुसलमानों को सलाम किया?



क्या



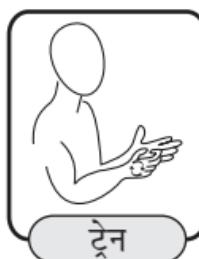
घर



दफ्तर



बस



ट्रेन



गलियों



खड़े



बैठे



मुसलमान



सलाम



किया

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(4) क्या आज आप ने हत्तल इमकान सुन्नत के मुताबिक़ बैठ कर खाने पीने के दौरान मिट्टी के बरतन इस्तेमाल फ़रमाए ? नीज़ पेट का कुफ़ले मदीना लगाने (यानी भूक से कम खाने) की कोशिश फ़रमाई ?



बैठ



सुन्नत



मुताबिक़



बैठ



खाया



पिया



मिट्टी के बरतन



कोशिश



फ़रमाई

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

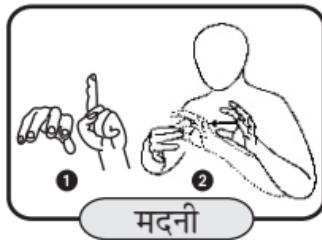
(5) क्या आज आपने यक्सूई के साथ कम अज़ कम 12 मिनट फ़िक्रे मदीना (यानी अपने आमाल का मुहासबा) करते हुवे जिन जिन मदनी इन्हामात पर अ़मल हुवा रिसाले में उन के ख़ाने पुर फ़रमाए?



क्या



बारह मिनट



मदनी



इन्हाम



अ़मल



यक्सूई



ख़ाने पुर



किए

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(6) क्या आज आप ने कुरआने पाक (कन्जुल ईमान मअ़ ख़ज़ाइनुल इरफ़ान) से कम अज़ कम एक रुकूअ़ की ज़ियारत फ़रमाई? नीज़ हत्तल इमकान दिन का अक्सर हिस्सा बा वुजू रहे?



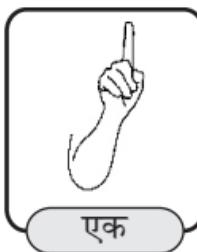
क्या



कुरआने पाक



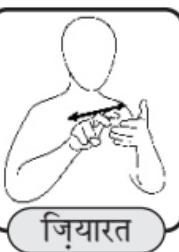
कम अज़ कम



एक



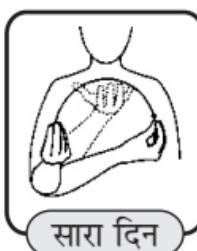
रुकूअ़



ज़ियारत



फ़रमाई



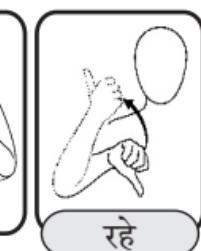
सारा दिन



अक्सर हिस्सा



बा वुजू



रहे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

दूसरा दरजा 6 मदनी इन्हामात

(7) क्या आज आप ने कम अज़्क कम दो इस्लामी भाईयों (गूंगे बेहरों) को इनफिरादी कोशिश के ज़रीए मदनी क़ाफ़िले, मदनी इन्हामात और हफ्तावार सुन्तों भरे इजतेमाअ़ की तरगीब दिलाई?



क्या



दो इस्लामी भाई



इनफिरादी कोशिश



मदनी क़ाफ़िला



मदनी इन्हामात



हफ्तावार इजतेमाअ़



तरगीब



दिलाई

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

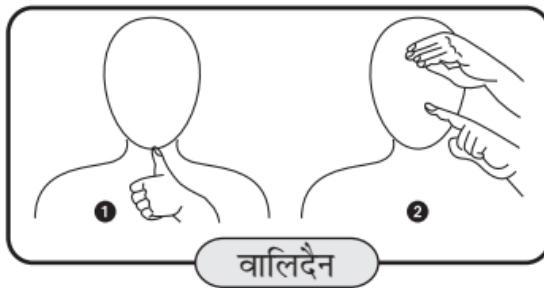
27 मदनी इन्हामात

10

(8) क्या आज आप ने अपने वालिदैन, असातेज़ा और ज़िम्मेदार की इत्ताअूत फ़रमाई?



क्या



वालिदैन



उस्ताद



और



ज़िम्मेदार



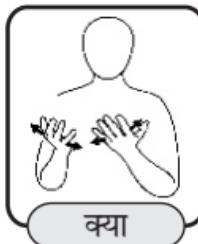
इत्ताअूत



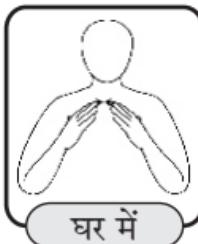
फ़रमाई

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(9) आज आपने (घर में या बाहर) किसी पर गुस्सा आ जाने की सूरत में सब्र करते हुवे गुस्से का इलाज फ़रमाया नीज़ चेहरे से गुस्से का इज़हार तो नहीं किया ?



क्या



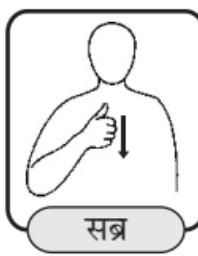
घर में



बाहर



गुस्सा



सब्र



इलाज



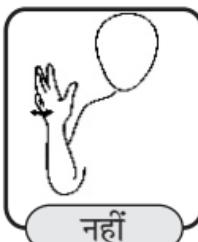
फ़रमाया



और



चेहरे से गुस्से का इज़हार



नहीं



किया

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

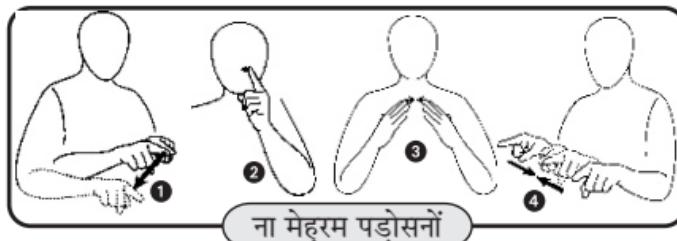
(10) आज आप ने ना मेहरम रिश्तेदारों, ना मेहरम पड़ोसनों नीज़ भाभी से مَعَاذُ اللّٰهُ عَزّٰوجٰلٰ बे तकल्लुफ़ हो कर और हंस हंस कर इशारों में गुफ्तगू तो नहीं की?



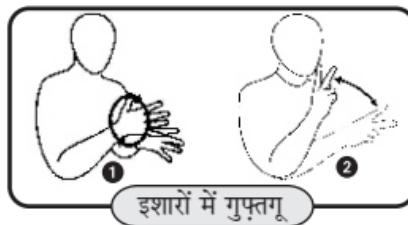
क्या



ना मेहरम रिश्तेदारों



ना मेहरम पड़ोसनों



इशारों में गुफ्तगू



नहीं



की

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(11) आज आप (घर में या बाहर) **T.V, Internet** मोबाइल या सीनेमा वगैरा में **फ़िल्में**, **ड्रामे** वगैरा देखने या सुनने से बचे? नीज मक्तबतुल मदीना से जारी कर्दा इशारों की ज़बान में v.c.d देखी?



क्या



टी वी



इन्टरनेट



मोबाइल



फ़िल्म



ड्रामा



देखने



बचे



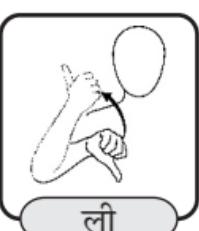
इशारों



वी सी डी



देख



ली

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(12) क्या आज आप ने घर के बरआमदों से (बिला ज़रूरत) बाहर नीज़ किसी और के दरवाज़ों से उन के घरों के अन्दर झांकने से बचने की कोशिश की?



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

तीसरा दरजा 5 मदनी इन्हामात

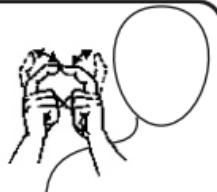
(13) क्या आज आप झूट, ग़ीबत, चुग़ली, वादा खिलाफ़ी, ह़सद और तकब्बुर से बचने में कामयाब हुवे?



झूट



ग़ीबत



खिलाफ़ी



वादा



खिलाफ़ी



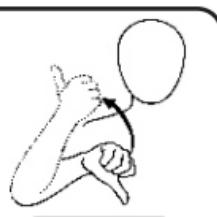
ह़सद



तकब्बुर



बचने



कामयाब हुवे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(14) आप ने (बिला मस्लेहते शरई) किसी एक या चन्द से ज़ाती दोस्ती गांठ रखी है या सब के साथ यक्सां तअल्लुक़ात रखे हैं?



क्या



चन्द



दोस्त



ज़ाती तअल्लुक़



सब



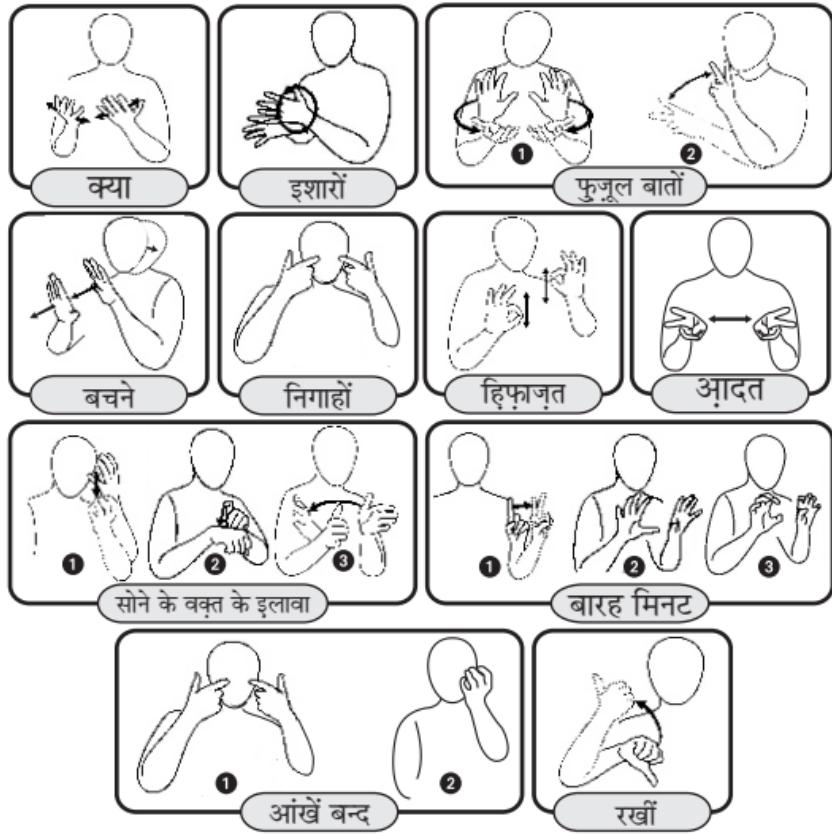
यक्सां तअल्लुक़



रखा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(15) क्या आज आप ने इशारों में फुजूल बातों से बचने और निगाहों की हिफ़ाज़त की आदत बनाने के लिए (सोने के अवकात के इलावा) कम अज़ कम 12 मिनट आंखें बन्द रखीं और यूं आंखों का कुफ़्ले मदीना लगाया?



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(16) क्या आज आप ने इशारों का कुफ़्ले मदीना लगाते हुवे कम इशारों और थोड़ी आवाज़ से काम चलाने की कोशिश फ़रमाई? (क्यूंकि क़ियामत के दिन जिस तरह एक एक लफ़्ज़ का हिसाब है इसी तरह इशारे और आवाज़ का भी हिसाब है)



क्या



कम



इशारों



और



कम



आवाज़



गुफ़्तगू



कोशिश



फ़रमाई

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(17) क्या आज आप का सारा दिन (नौकरी या दुकान पर नीज़ घर के अन्दर भी) इमामा शरीफ, जुल्फें, (अगर बढ़ती हो तो) एक मुश्त दाढ़ी, सुन्त के मुताबिक़ आधी पिन्डली तक (सफेद) कुर्ता सामने जेब में नुमायां मिस्वाक और टख्झों से ऊंचे पाइंचे रखने का मामूल रहा ?



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

कुफ्ले मदीना कारकर्दगी

मदनी माह व साल.....

तारीख़	लिख कर गुफ्तगू	निगाहें गाड़े बगैर इशारों में गुफ्तगू	कुफ्ले मदीना ऐनक का इस्तेमाल
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			

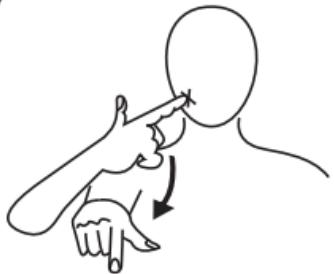
27 मदनी इन्हामात

21

तारीख़	लिख कर गुफ्तगू	निगाहें गाड़े बगैर इशारों में गुफ्तगू	कुपले मरीना ऐनक का इस्तेमाल
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			
29			
30			
मजमूँ			

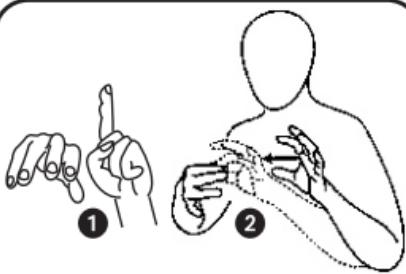
हफ्तावार 4

मदनी इन्अमात



हफ्तावार

4



मदनी



इन्अमात

(18) क्या आप ने इस जुमेरात को हफ्तावार सुनतों भरे इजतेमाअू में अब्ल ता आखिर शिर्कत की ? नीज़ सारी रात एतेकाफ़ फ़रमाया ?



क्या



जुमेरात



इजतेमाअू



अब्ल



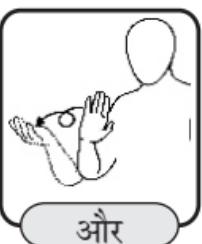
आखिर



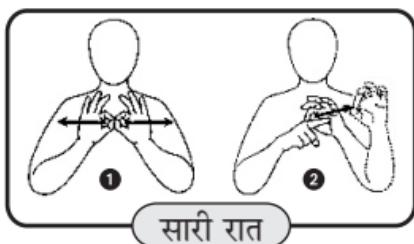
शिर्कत



की



और



सारी रात



एतेकाफ़



फ़रमाया

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(19) क्या आप ने इस हफ्ते कम अज़ कम एक बार अ़लाक़ाई दौरा बराए नेकी की दावत में शिर्कत की?



क्या



हफ्ते



कम अज़ कम



एक बार



अ़लाक़ा



नेकी



दावत



शिर्कत



की

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(20) क्या आप ने इस हफ्ते को पीर शरीफ़ या रेह जाने की सूरत में किसी भी एक दिन का रोज़ा रखा?



क्या



इस हफ्ते



पीर शरीफ़



या



रेह जाने



एक



दिन



रोज़ा



रखा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(21) क्या आप ने इस हफ्ते में इतवार की तरबियती निशस्त में शिर्कत फ़रमाई?



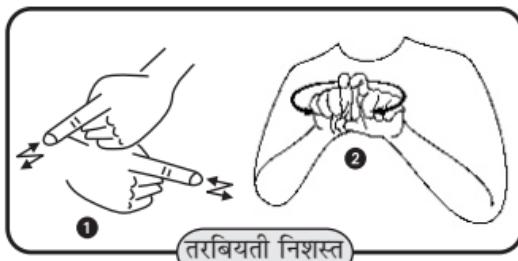
क्या



इस हफ्ते



इतवार



तरबियती निशस्त



शिर्कत



फ़रमाई

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

માહાના 4

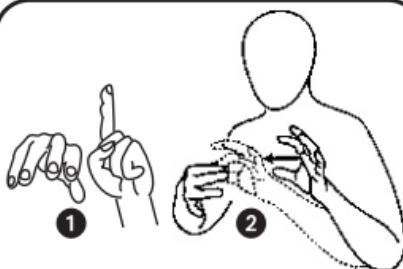
મદ્દની ઇન્ઝામાત



માહાના



4

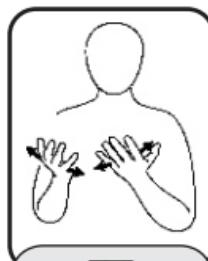


મદની

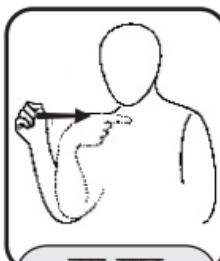


ઇન્ઝામાત

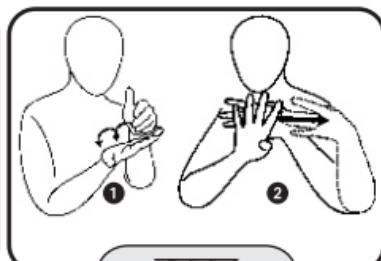
(22) क्या आप ने इस माह जदवल के मुताबिक़ कम अज़ कम तीन दिन के मदनी क़ाफ़िले में सफ़र फ़रमाया?



क्या



इस माह



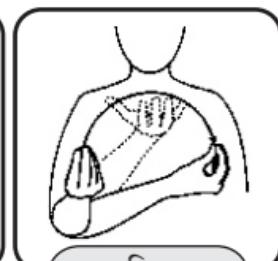
जदवल



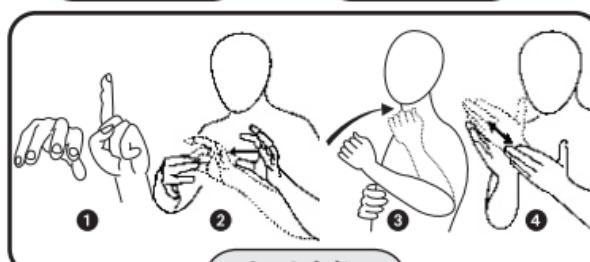
कम अज़ कम



तीन



दिन

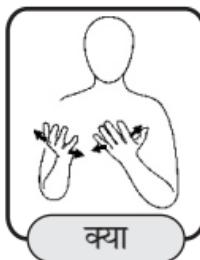


मदनी क़ाफ़िले में सफ़र

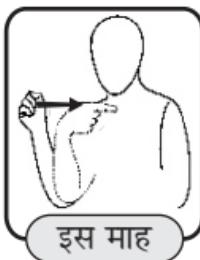


फ़रमाया

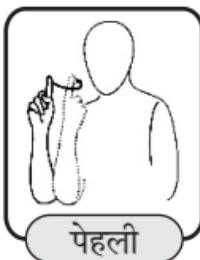
(23) क्या आप ने इस मदनी माह की पेहली जुमेरात को साबिक़ा मदनी माह का मदनी इन्ड्रामात का रिसाला पुर कर के अपने निगरान को जम्मू करवाया?



क्या



इस माह



पेहली



जुमेरात



पिछला



मदनी इन्ड्रामात



पुर



निगरान

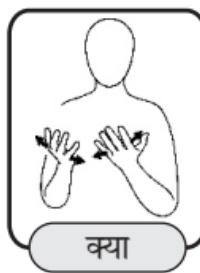


जम्मू



करवाया

(24) क्या इस माह आप की इनफिरादी कोशिश से कम अज़कम एक इस्लामी भाई ने मदनी क़ाफिले में सफ़र किया और कम अज़कम एक ने मदनी इन्अमात का रिसाला जम्मु करवाया ?



क्या



इस माह



इनफिरादी कोशिश



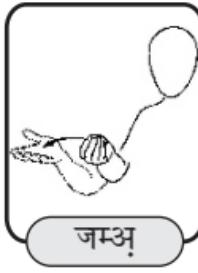
एक इस्लामी भाई



मदनी क़ाफिले में सफ़र



मदनी इन्अमात



जम्मु



करवाया

(25) आप ने इस माह कम अजू कम एक सुनी भाई को मदनी माहोल से वाबस्ता किया ?



क्या



इस माह



कम अजू कम



एक इस्लामी भाई



मदनी माहोल



वाबस्ता



किया

મદ્રાસા નામ

શાલાના 2

મદ્રાસી ઇન્ઝિનિયરામાલ



શાલાના



2



મરદની

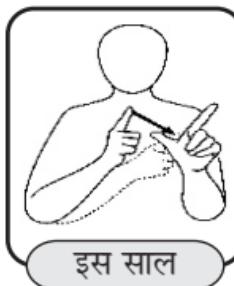


ઇન્જામાત

(26) क्या आप ने इस साल जदवल के मुताबिक़ यक्मुश्त 30 दिन के मदनी क़ाफ़िले में सफ़र किया ? (नीज़ ज़िन्दगी में यक मुश्त 12 माह के मदनी क़ाफ़िले में सफ़र की भी नियत फ़रमाई ?)



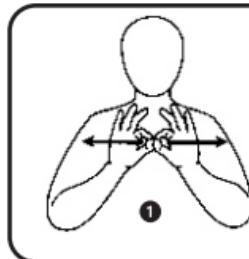
क्या



इस साल



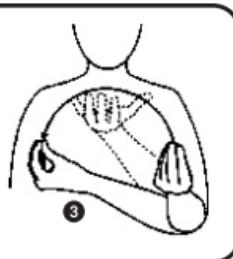
जदवल



1



2

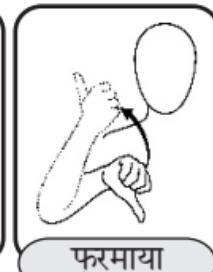


3

यक मुश्त 30 दिन

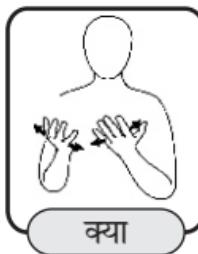


मदनी क़ाफ़िले में सफ़र



फ़रमाया

(27) क्या आप ने नमाज़ के अहंकाम से हत्तल मक्दूर अपनी नमाज़ दुरुस्त कर ली ? नीज़ हत्तल इमकान वुजू, गुस्ल के फ़राइज़ और सुन्नतें सीख लीं ?



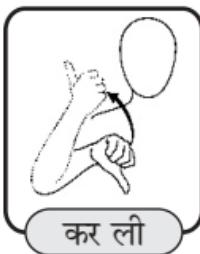
क्या



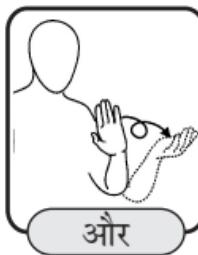
नमाज़



दुरुस्त



कर ली



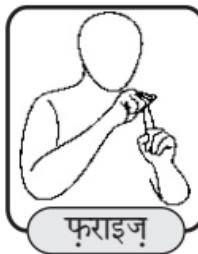
और



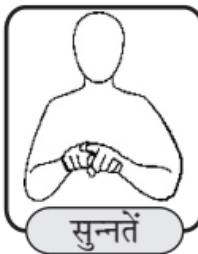
वुजू



गुस्ल



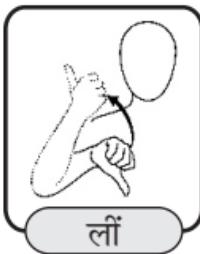
फ़राइज़



सुन्नतें



सीख



लीं

रिज़ाए रब्बुल अनाम के काम

अन्तार का दोस्त : अमीरे एहले सुन्नत ذامت بر کاتهم العالیہ फ़रमाते हैं : जो जैल में दिए गए 7 मदनी इन्हामात की पाबन्दी करे वोह मेरा दोस्त है।

मदीना 1 : पांचों नमाजें मस्जिद की पेहली सफ़्र में तकबीरे ऊला के साथ बा जमाअत अदा फ़रमाए और कम अज़्य कम एक को अपने साथ मस्जिद में ले जाने की कोशिश करे।

मदीना 2 : यक्सूई के साथ रोज़ाना कम अज़्य कम 12 मिनट फ़िक्रे मदीना (यानी अपने आमाल का मुहासबा) करते हुवे जिन जिन मदनी इन्हामात पर अ़मल हुवा रिसाले में उन के ख़ाने पुर करे।

मदीना 3 : अपने वालिदैन असातेज़ा और ज़िम्मेदार की इत्ताअत फ़रमाए।

मदीना 4 : झूट, ग़ीबत, चुग़ली, वादा ख़िलाफ़ी, ह़सद और तकब्बुर से ह़त्तल इमकान बचने की कोशिश करे।

मदीना 5 : सारा दिन (नौकरी, दुकान पर या घर के अन्दर भी) इमामा शरीफ़, ज़ुल्फ़ेँ, (अगर बढ़ती हो तो) एक मुश्त दाढ़ी, सुन्नत के मुताबिक़ आधी पिन्डली तक (सफ़ेद) कुर्ता, सामने

जेब में नुमायां मिस्वाक और टख्जों से ऊंचे पाइंचे रखने का मामूल बनाए।

मदीना 6 : हफ्तावार सुन्तों भरे इजतेमाअः में अब्बल ता आखिर शिर्कत करे।

मदीना 7 : हर मदनी माह की पेहली जुमेरात को साबेक़ा मदनी माह का मदनी इन्हामात का रिसाला पुर कर के अपने निगरान को जम्मः करवाए।

अन्तार का प्यारा : ذَاقَتْ بِرَبِّ كَاهِنِ الْعَالِيِّ अमीरे एहले सुन्नत फ़रमाते हैं : जो मज़कूरा मदनी इन्हामात पर अ़मल के साथ 27 में से कम अज़ कम 19 मदनी इन्हामात का आमिल हो वोह मेरा प्यारा है।

अन्तार का मन्जूरे नज़र : ذَاقَتْ بِرَبِّ كَاهِنِ الْعَالِيِّ अमीरे एहले सुन्नत का इरशाद है : जो मुन्दरजए बाला मामूलात बजा ला कर दोस्त और प्यारा बनने के साथ साथ जैल में दिए हुवे 5 मदनी काम पाबन्दी से करे वोह मेरा “मन्जूरे नज़र” है।

मदीना 1 : रोज़ाना कम अज़ कम 12 बार लिख कर गुफ्तगू।

मदीना 2 : रोज़ाना फुज्जूल इशारों से बचते हुवे कम से कम इशारों में गुफ्तगू।

मदीना 3 : रोज़ाना कम अज़ कम 12 मिनट कुफ्ले मदीना के ऐनक का इस्तेमाल।

मदीना 4 : (ज़रूरी गुफ्तगू की नौबत आती हो तो) रोज़ाना कम अज़्य कम 12 बार सामने वाले के चेहरे पर नज़रें गाड़े वगैरे गुफ्तगू।

मदीना 5 : हफ्ते में कम अज़्य कम एक रिसाला पढ़े। (जो रोज़ाना कम अज़्य कम एक रिसाला पढ़ने का मामूल बनाए उस से अमीरे एहले सुन्नत دامت برَكاتُهُمُ الْعَالِيَةُ बहुत खुश होते हैं)

मेहबूबे अऱ्तार : अमीरे एहले सुन्नत का फ़रमाने शफ़्क़त निशान है कि जो मुन्दरज़ ए बाला तमाम मामूलात के साथ साथ मुकम्मल 27 मदनी इन्डिया मामिल हो वोह मेरा “मेहबूब” है।

जज़्बाते अऱ्तार : आह ! आह ! आह ! दिल ख़ौफ़ज़दा है मैं नहीं जानता कि **अल्लाह** ﷺ की मेरे बारे में खुफ़्या तदबीर क्या है ! अलबत्ता मेरे दिल के जज़्बात ये हैं कि सरकारे मदीना صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ के सदके में मुझ पर अगर ख़ास करम हो गया तो إِنَّ اللَّهَ عَزَّوَجَلَّ अपने हर दोस्त, प्यारे, मन्ज़ूरे नज़र और मेहबूब को जन्तुल फ़िरदौस में साथ लेता जाऊंगा।

अऱ्तार किस से बेज़ार : जो इस्लामी भाई दावते इस्लामी की मर्कज़ी मज़ालिसे शूरा, इन्तेज़ामी काबीनात व मज़ालिस वगैरा की बिला इजाज़ते शरई लोगों के सामने मुख़ालेफ़त करे वोह न

मेरा दोस्त, न प्यारा, न मन्जूरे नज़र और न मेहबूब बल्कि क़ल्बे
अ़त्तार उस से बेज़ार है।

दुआए अ़त्तार : या ﷺ जो रोज़ाना येह
मज़कूरा मदनी काम कर लिया करे उस अ़त्तार के दोस्त और प्यारे
नीज़ अ़त्तार के मन्जूरे नज़र व मेहबूब को मअ् अ़त्तार जन्तुल
फ़िरदौस में अपने मदनी मेहबूब صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ का पड़ोसी बना दे।
امين بجاہ الٹبی الامین صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

मर्कज़ी मजलिसे शूरा

19 मदनी फूलों में से अख़ज़ शुदा “खुसूसी इस्लामी भाइयों” के लिए मदनी फूल

(1) घर में आते जाते सलाम कीजिए। (2) वालिदा या
वालिद साहिब को आते देख कर ताज़ीमन खड़े हो जाइए (3) दिन में
कम अज़ कम एक बार इस्लामी भाई वालिद साहिब के और इस्लामी
बहनें मां के हाथ पाठं चूमा करें (4) वालिदैन के सामने बा अदब
रहिए, उन से आंखें हरगिज़ न मिलाइए, नीची निगाहें रख कर ही बात
चीत कीजिए (5) उन का सोंपा हुवा हर वोह काम जो खिलाफ़े शरअ
न हो फ़ैरन कर डालिए (6) सन्जीदगी अपनाइए। घर में मज़ाक़
मस्ख़री करने, बात बात पर गुस्से हो जाने, खाने में ऐब निकालने,
छोटे भाई बहनों को झाड़ने, मारने, घर के बड़ों से उलझने, बहसें करते

रेहने की अगर आप की आ़दतें हों तो अपना रखव्या यक्सर तब्दील कर दीजिए, हर एक से मुआफ़ी तलाफ़ी कर लीजिए। (7) घर में और बाहर हर जगह आप सन्जीदा हो जाएंगे तो **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزُوجَلٌ** घर के अन्दर भी ज़रूर इस की बरकतें ज़ाहिर होंगी (8) अपने महल्ले की मस्जिद में इशा की जमाअत के वक्त से ले कर दो घन्टे के अन्दर अन्दर सो जाइए। काश ! तहज्जुद में आंख खुल जाए वरना कम अज़ कम नमाज़े फ़त्र तो ब आसानी (मस्जिद की पेहली सफ़ में बा जमाअत) मुयस्सर आए और फिर काम काज में भी सुस्ती न हो (9) घर के अफ़राद में अगर नमाज़ों की सुस्ती, बे पर्दगी, फ़िल्मों ड्रामों और गाने बाजों का सिलसिला हो और आप अगर सर परस्त नहीं हैं, नीज़ ज़ने ग़ालिब है कि आप की नहीं सुनी जाएगी तो बार बार टोकने के बजाए सब को नर्मी के साथ मक्तबतुल मदीना से जारी शुदा सुन्ततों भरे बयानात की केसिटें सुनाइए। मदनी चैनल दिखाइए। **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزُوجَلٌ** “मदनी नताइज़” बर आमद होंगे। (10) घर में कितनी ही डांट बल्कि मार भी पड़े, सब्र सब्र और सब्र कीजिए। अगर आप सब्र नहीं करेंगे तो “मदनी माहोल” बनने की कोई उम्मीद नहीं बल्कि मज़ीद बिगाड़ पैदा हो सकता है कि बेजा सख्ती करने से बसा अवक़ात शैतान लोगों को ज़िदी बना देता है।

(11) मदनी माहोल बनाने का एक बेहतरीन ज़रीआ ये है कि घर में रोज़ाना फैज़ाने सुन्नत का दर्स देने या सुनने की तरगीब दिलाई जाए। (12) अपने घर वालों की दुन्या ओ आखेरत की बेहतरी के लिए दिल सोज़ी के साथ दुआ भी करते रहिए कि फ़रमाने मुस्तफ़ा दिलाई जाए। (13) **صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ** : यानी दुआ मोमिन का हथियार है।” (14) (المستدرك للحاكم ج ٢ ص ١٦٢ حديث ١٨٥٥)

सुसराल में रेहने वालियां जहां घर का ज़िक्र है वहां सुसराल और जहां वालिदैन का ज़िक्र है वहां सास और सुसर के साथ वोही हुस्ने सुलूक बजा लाएं जब कि कोई मानेए शरई न हो। (15) मदनी इन्डिया के मुताबिक़ अ़मल की आदत बनाइए, और घर के जिन अफ़राद के अन्दर नर्म गोशा पाएं उन में और आप अगर बाप हैं तो औलाद में नर्मी और हिक्मते अ़मली के साथ मदनी इन्डिया का निफ़ाज़ कीजिए, **أَلْلَاهُ** **غَرْوَجْلُ** की रेहमत से घर में मदनी इन्क़िलाब बरपा हो जाएगा। (16) पाबन्दी से हर माह कम अज़्य कम तीन दिन के मदनी क़ाफ़िले में आशिक़ाने रसूल के साथ सुनतों भरा सफ़र कर के घर वालों के लिए भी दुआ कीजिए। मदनी क़ाफ़िले में सफ़र की बरकत से भी घरों में मदनी माहोल बनने की “मदनी बहारें” सुनने को मिलती हैं।

कारकर्दगी बराए रिजाए रब्बुल अनाम ﷺ के काम

- (1) इस माह के अक्सर दिनों में मज़कूरा मदनी इन्अमात पर अ़मल की कोशिश रही ?
- (2) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मरतबा लिख कर गुफ़तगू फ़रमाई ?
- (3) इशारों का कुफ़्ले मदीना लगाते हुवे रोज़ाना कम से कम इशारों और थोड़ी आवाज़ से काम चलाने की कोशिश की ?
- (4) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मरतबा चेहरे पर निगाहें गाड़े बगैर गुफ़तगू की कोशिश फ़रमाई ?
- (5) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मिनट कुफ़्ले मदीना का ऐनक इस्तेमाल फ़रमाया ?
- (6) इस माह आप ने अमीरे एहले सुन्नत دامت برَّهُمْ أَعْلَمُهُمْ के कितने रसाइल का मुतालआ फ़रमाया ?

पहला हफ़्ता

दूसरा हफ़्ता

तीसरा हफ़्ता

चौथा हफ़्ता

कुल तादाद

- (7) इस माह 27 मदनी इन्अमात में से कितने पर अ़मल की कोशिश रही ?

- (8) इस माह कितने दिन फ़िक्रे मदीना की सआदत हासिल की ?

- (9) इस माह कितने दिन मदनी क़ाफ़िले में सफ़र की सआदत हासिल की ?

इस माह اَنْجَلِي اللَّهِ عَزَّوَجَلَّ اَنْجَلِي اَنْجَلِي اَنْجَلِي اَنْجَلِي

अ़न्तार का मन्ज़ूरे नज़र मेहबूबे अ़न्तार बनने की सआदत हासिल हुई। इस माह कुफ़्ले मदीना कारकर्दगी रही

आइन्दा माह कम अज़ कम मदनी इन्अमात पर अ़मल की कोशिश करूँगा।

अमल करने का आसान त्रौटीकूता

रिसाले में हर मदनी इन्हाम के नीचे **30** दिनों के खाने दिए गए हैं। रोज़ाना वक्ते मुकर्ररा पर **फ़िक्रे मदीना** (यानी मुहासबे के दौरान खाने पुर करने का सिलसिला) कीजिए जिन मदनी इन्हामात पर अमल की सआदत मिली, नीचे खाने में (↙) का निशान वरना (○) बना दीजिए شَاءَ اللّٰهُ مَا يُرِيدُ ब तदरीज अमल में इजाफे के साथ साथ दिल में गुनाहों से नफरत पाएंगे।

हदीसे पाक में है : (आखिरत के मुआमले में) घड़ी भर गौरो फ़िक्र करना **60** साल की इबादत से बेहतर है। (الجامع الصغير للسيوطى ، الحديث 365 دار الكتب العلمية بيروت)

दुआए अन्तार : या **अल्लाह** पाक जो हर माह तेरी रिजा के लिए मदनी इन्हामात पर अमल कर के रोज़ाना इस रिसाले में दिए गए खाने पुर कर के अपने जैली मुशावरत के निगरान को जम्म करवाए तू उस के अमल में इस्तेकामत अतः फ़रमा कर उस को अपना मक्बूल बन्दा बना ले।

मदरी माह..... **जित 14.....हिजरी**

नाम मअ् वलदियत..... उम्र तक़ीबन.....
मुकम्मल पता.....
जैली हल्का..... हल्का..... अलाका / शहर.....
आप ने फ़िक्रे मदीना (यानी मुहासबे के दौरान खाना पुरी करने) के लिए कौन सा वक्त मुकर्रर फ़रमाया है ?



**Maktabatul
Madina**

● Mohammad Ali Road, Mandvi Post Office, Mumbai 9022177997, 9320558372

● Faizane Madina, Triconia Bagicha, Mirzapur, Ahmedabad 9327168200

● 421, Urdu Market, Matia Mahal, Near: Noor Guest House, Jama Masjid, Delhi

● 011-23284560, 8178862570 ● For Home Delivery: 9978626025 *IC-Apk

● feedbackmmhind@gmail.com

